# ग्रामीण महिला विकास संस्थान – बूबानी , अजमेर , राज.

## *प्रगति रिपॉर्ट वर्ष 2003–2004*

संस्थान द्वारा 2003–2004 में अपने कार्यक्षेत्र में जो विकास कार्य एंव अन्य गतिविधियां संचालित की गई जिसकी कार्य प्रगति रिपॉर्ट निम्नानुसार है–

### *बाल श्रमिक विद्यालयः–*

- संस्थान द्वारा बाल श्रमिक संस्था – अजमेर द्वारा स्वीकृत विशेष बाल श्रमिक विद्यालयों का संचालन किया जा रहा हैं । वर्तमान में दो बाल श्रमिक विद्यालय संचालित हैं जो बूबानी ग्राम पंचायत के बूबानी एवं मुहामी में चल रहें हैं। इन विद्यालयों में 100 बाल श्रमिक प्रत्येक में 50–50 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन बच्चों को प्रति माह 100 रू. स्टाईफण्ड के रूप में मिलते है जो डाकघर में जमा होते हैं । इसके अलावा इन बच्चों को पोषाहार भी दिया जाता है। प्रति माह इन बच्चों की स्वास्थ्य जांच होती हैं ।

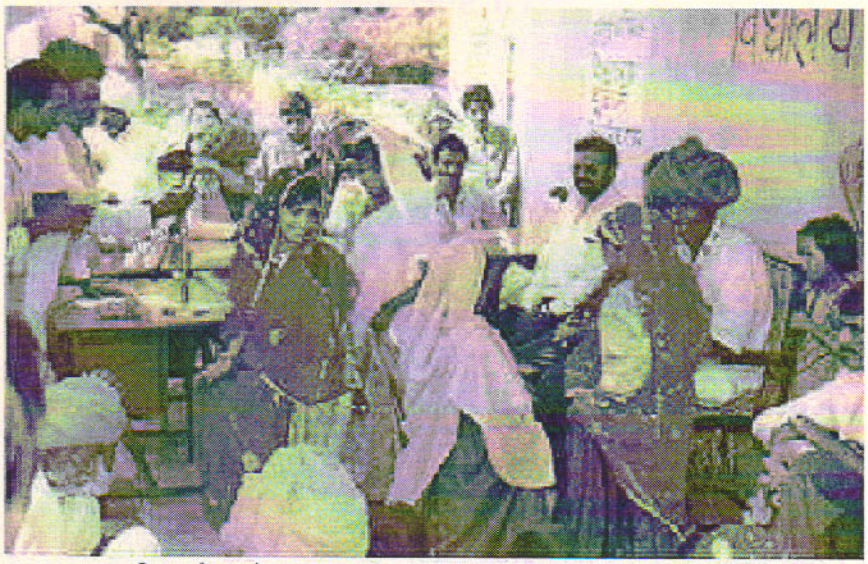

बाल श्रमिक के बच्चे 26 जनवरी पर नृत्य प्रस्तुत करते हुए एंव अतिथिगण

बाल श्रम उन्मुलन शिविर में जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी , कलक्टर श्री निरजंन आर्य फादर जॉन करवालो एंव अन्य

## *परिणाम*

–बाल श्रमिकों का शिक्षा से जुडाव।
–बाल श्रमिकों के स्वास्थ्य में सुधार।
–बाल श्रम उन्मुलन।
–बाल श्रमिकों के मनोबल में वृद्धि।

## *अकाल राहत कार्य कपार्ट – जयपुरः–*

❖ कपार्ट – जयपुर द्वारा स्वीकृत नाडी निर्माण एंव चारागाह मेडबन्दी कार्य किया गया । जिसमें ग्राम पंचायत–मालियों की बाडी के ढाणी पुरोहितान गांव में चारागाह मेडबन्दी एंव नाडी निर्माण कार्य किया गया। इसमें 3 किलोमीटर चारागाह मेडबन्दी जिस पर 2610 कार्य दिवस एंव नाडी खुदाई कार्य जिस पर 945 कार्य दिवसों का रोजगार उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा गेगल ग्राम पंचायत के दांता एंव आखरी में मेडबन्दी कार्य किया गया। दांता में चारागाह मेडबन्दी पर 870 कार्य दिवसों एंव आखरी में 872 कार्य दिवसों का रोजगार लोगों को दिया गया। इसके अलावा बूबानी ,खोडा गणेश ,मुहामी ,नौलखा गांवों में भी कपार्ट कार्य स्वीकृत हैं जिसे वर्तमान में शुरू किया जाना है।

कपार्ट स्वीकृत कार्य में ढाणी पुरोहितान नाडी पर कार्य करते सहभागी

## *परिणाम*

–रोजगार की उपलब्धता।
–भूमि आर्द्रता में वृद्धि।
–जल स्तर में वृद्धि।
–जल की रोकथाम।
–चारागाह अतिक्रमण पर रोक।

दांता –आखरी में कपार्ट स्वीकृत मेडबन्दी कार्य करते सहभागी

## *ग्रामीण सम्पूर्ण स्वच्छता अभियानः–*

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत कठपूतली कार्यकम दिखाती संस्थान टीम

❖ संस्थान ने जिला परिषद अजमेर द्वारा स्वीकृत सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 5 ग्राम पंचायतों के 13 गांवों यह अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत लोगों को विभिन्न माध्यमों यथा नाटक , कठपूतली ,विडियों शॉ ,नारा लेखन ,प्रशिक्षण ,प्रेरक जन सम्पर्क , रैली आदि माध्यमों के द्वारा लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा हैं। इन गांवो प्रति 200 परिवारों पर 1 प्रेरक का चुनाव किया गया जों लोगों के घर–घर जाकर सम्पर्क करके लोगों को स्वच्छता सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध करातें है।

स्कूलों में स्वच्छता अभियान के तहत नाटक एंव गीत द्वारा जन जागृति कार्यक्रम करते कार्यकर्ता

## *परिणाम*

–स्वच्छता के प्रति जागरूकता।
–व्यक्तिगत स्वच्छता ।
–बिमारी की रोकथाम।
–स्वस्थ समाज की स्थापना।
–शौचालय निर्माण एंव उपयोग।

## *वाटरशैड़ कार्यक्रमः–*

वाटरशैड निर्मित नाडी मे पानी पीते पशु

❖ वाटरशैड के अन्तर्गत सी.आर.एस.मुम्बई एंव आर.सी.डी. समाज सेवी संस्था–मदार ,अजमेर द्वारा जल ग्रहण के तहत निम्न गतिविधियां संचालित की गई–

सी.सी.टी. कार्य करते सहभागी

–मडबन्दी कार्य चारागाह एंव खेतों की मेडबन्दी 5 कि.मी. 2291 कार्यदिवसों का।
–नाडी खुदाई कार्य हीरी वाली नाडी पर 1850 कार्यदिवसों का।
–सी.सी.टी. कार्य के अन्तर्गत 6096 कार्यदिवसों का।
–पौधारोपण के खड्डे 2215 कार्यदिवस।

तैयार गैबियन को देखते ग्राम विकास कमेटी सदस्य

उपर्युक्त गतिविधिया बूबानी क्षैत्र में जलग्रहण योजना के तहत की गई ।

गैबियन तैयार करते सहभागी

## परिणाम

–जल स्तर में वृद्धि।
–भूमि आर्द्रता में वृद्धि।
–रोजगार की उपलब्धता।
–चारागाह विकास।
–कृषि पैदावार में वृद्धि।
–पलायन में कमी।

## SMCS कार्यक्रमः–

❖ आर सी डी समाज सेवी संस्था – मदार , अजमेर द्वारा एस. एम. सी. एस. कार्यक्रम का संचालन संस्थान द्वारा किया गया। जिसके अन्तर्गत गर्भवती माताओं एंव बच्चों की स्वास्थ्य जांच एंव तौल किया जाकर उन्हे पोषाहार दिया जाता हैं। यह कार्य बूबानी ग्राम पंचायत के मुहामी ,बूबानी, खोडागणेश गांवों में चलाया जा रहा हैं। इस कार्यक्रम के तहत उपरोक्त तीनों गांवों में 658. सहभागियों को जोडा जाकर उन्है लाभ पहुचायां जा रहा हैं । इन सहभागियों को प्रत्येक को 1 लीटर तेल एंव 1.50 लीटर दलिया प्रति माह दिया जाता हैं।

## परिणाम

–माताओं एंव बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार।
–बच्चो के तौल से बच्चों की स्थिति का ज्ञान।
–पोषाहार की उपलब्धता।

❖ संस्थान द्वारा महिला समुह पर भी कार्य किया जा रहा हैं । संस्थान द्वारा समुह बनाये जा रहै हैं । जिससे महिलाओं को बचतों के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं। समुह द्वारा महिलाओं को स्वावलम्बी एंव आत्मरक्षक बनाया जाने पर जोर दिया जा रहा हैं।

## ECDC and SF कार्यक्रमः–

❖ संस्थान द्वारा मुहामी ,बूबानी एंव ढाणी पुरोहितान में बाल श्रमिक विद्यालयों एंव एक प्राईवेट विद्यालय ढाणी पुरोहितान में ई. सी. डी. सी. एंव एस. एफ. कार्यक्रम के अन्तर्गत पोषाहार दिया जाता हैं । यह गतिविधि भी आर. सी. डी. समाज सेवी संस्था– मदार ,अजमेर संचालित हैं।

पोषाहार खाते बाल श्रमिक विद्यालय के बच्चे

## परिणाम

–स्कूलों में बच्चों का ठहराव।
–पोषाहार की उपलब्धता।
–अध्यापक प्रशिक्षण ।

सचिव
ग्रामीण महिला विकास संस्थान,
बूबानी–अजमेर